चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	15-10-25	4	1-6

हिंदी केवल एक भाषा नहीं, बल्कि हमारी राष्ट्रीय पहचान : प्रो . बीआर काम्बोज

- हकृवि में हिन्दी दिवस के उपलक्ष्य में कार्यक्रम का आयोजन
- कहा-14 सितंबर 1949 को हिंदी को राजभाषा के रूप में स्वीकारा

हकृवि के कुलपति प्रो . बीआर काम्बोज कार्यक्रम को संबोधित करते हुए • पीआरओ

जागरण संवाददाता • हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में हिंदी दिवस पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित हुए जबकि हरियाणा साहित्य एवं संस्कृति अकादमी पंचकूला के कार्यकारी उपाध्यक्ष डा. कुलदीप चंद अग्निहोत्री मुख्य वक्ता के तौर पर मौजूद रहे।

कुलपति प्रो काम्बोज ने कहा कि हिंदी केवल एक भाषा नहीं, बल्कि हमारी राष्ट्रीय पहचान है। यह हमारे विचारों, भावनाओं और संस्कृति की अभिव्यक्ति का सबसे सशक्त माध्यम है। हिंदी देश के कोने-कोने में समझी और बोली जाती है। यह हमें एकता और भाईचारे का संदेश देती है। हिंदी हमारी आत्मा की भाषा है हमें अपनी दैनिक जीवन में हिंदी का अधिक से अधिक प्रयोग करना चाहिए ताकि आने वाली पीढ़ियां भी इसे अपने और इसका गौरव बनाए रखें । उन्होंने कहा कि आज विश्व के अनेक देशों में हिंदी बोलने और सीखने वालों की संख्या लगातार बढ़ रही है। इंटरनेट, फिल्म, साहित्य और शिक्षा के क्षेत्र में भी हिंदी का प्रभाव लगातार बढ़ता जा रहा है।

कुलपति ने बताया कि 14 सितंबर 1949 को संविधान सभा ने हिंदी भाषा को भारत की राजभाषा के रूप में स्वीकार किया था। इस ऐतिहासिक निर्णय की स्मृति में पहली बार 1953 में हिंदी दिवस मनाया गया। हिंदी दिवस मनाने का मुख्य उद्देश्य लोगों में हिंदी के प्रति सम्मान और जागरूकता बढ़ाना है। मुख्य वक्ता डा. कुलदीप चंद अग्निहोत्री ने कहा कि हिन्दी का प्रचार एवं प्रसार करना बहुत जरूरी है। उन्होंने कहा कि हमारे देश में प्रत्येक प्रान्त की अपनी-अपनी भाषाएं है। अपनी बात को सरल व सहज तरीके से प्रस्तुत करने का सबसे अच्छा माध्यम क्षेत्रीय भाषा है। आधुनिक युग में अगर हम सभी को जरूरत है तो व्याकरणिक दृष्टि से अपनी भाषा को सही तरीके से लिखने व बोलने की। इसलिए हमें आम बोलचाल में क्षेत्रीय भाषा को अधिक से अधिक प्रयोग में लाना चाहिए। अधिष्ठाता डा. राजेश गेरा ने सभी का स्वागत किया। मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डा. रमेश कुमार ने धन्यवाद प्रस्ताव पारित किया जबकि मंच का संचालन छात्रा निकिता ने किया।

आंखों की नियमित जांच जरूरी : काम्बोज

जासं • हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कैंपस अस्पताल में मान आंखों के अस्पताल द्वारा फ्री आंखों का चैकअप कैंप लगाया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो बीआर काम्बोज इस कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित हुए। इस दौरान मान अस्पताल के डा. जीएस मान व डा. गरिमा मान भी उपस्थित रही।

कुलपति प्रो. काम्बोज ने कहा कि आंखों की समय पर जांच होने से आंखों की बीमारियों का पता चल जाता है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि. भूमि	15-10-25	7	7-8

हकृवि में हिन्दी दिवस कार्यक्रम आयोजित

हिसार। कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज कार्यक्रम को संबोधित करते हुए।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में हिंदी दिवस पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज कार्यक्रम में मुख्य अतिथि रहे जबकि हरियाणा साहित्य एवं संस्कृति अकादमी पंचकूला के कार्यकारी उपाध्यक्ष डॉ. कुलदीप चंद अग्निहोत्री मुख्य वक्ता रहे। कुलपति प्रो काम्बोज ने अपने संबोधन में कहा कि हिंदी केवल एक भाषा नहीं, बल्कि हमारी राष्ट्रीय पहचान है।

हिन्दी का प्रचार एवं जरूरी : डॉ. अग्निहोत्री

मुख्य वक्ता डॉ. कुलदीप चंद अग्निहोत्री ने कहा कि हिन्दी का प्रचार एवं प्रसार करना बहुत जरूरी है। उन्होंने कहा कि हमारे देश में प्रत्येक प्रान्त की अपनी-अपनी भाषाएं है। अपनी बात को सरल व सहज तरीके से प्रस्तुत करने का सबसे अच्छा माध्यम क्षेत्रीय भाषा है। आधुनिक युग में अगर हम सभी को जरूरत है तो व्याकरणिक दृष्टि से अपनी भाषा को सही तरीके से लिखने व बोलने की। इसलिए हमें आम बोलचाल में क्षेत्रीय भाषा को अधिक से अधिक प्रयोग में लाना चाहिए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	15.10.25		

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए।

हिंदी केवल एक भाषा नहीं, बल्कि हमारी राष्ट्रीय पहचान : प्रो. बी.आर. काम्बोज

हिसार, 14 अक्तूबर (विरेन्द्र वर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में हिंदी दिवस पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित हुए जबकि हरियाणा साहित्य एवं संस्कृति अकादमी पंचकूला के कार्यकारी उपाध्यक्ष डॉ. कुलदीप चंद अग्निहोत्री मुख्य वक्ता के तौर पर मौजूद रहे। कुलपति प्रो. काम्बोज ने अपने संबोधन में कहा कि हिंदी केवल एक भाषा नहीं, बल्कि हमारी राष्ट्रीय पहचान है। यह हमारे विचारों, भावनाओं और संस्कृति की अभिव्यक्ति का सबसे सशक्त माध्यम है। हिंदी देश के कोने-कोने में समझी और बोली जाती है। यह हमें एकता और भाईचारे का संदेश देती है। हिंदी हमारी आत्मा की भाषा है हमें अपनी दैनिक जीवन में हिंदी का अधिक से अधिक प्रयोग करना चाहिए ताकि आने वाली पीढ़ियां भी इसे अपने और इसका गौरव बनाए रखें । आधुनिक युग में अगर हम सभी को जरूरत है तो व्याकरणिक दृष्टि से अपनी भाषा को सही तरीके से लिखने व बोलने की। इसलिए हमें आम बोलचाल में क्षेत्रीयं भाषा को अधिक से अधिक प्रयोग में लाना चाहिए। उन्होंने कहा कि हिंदी भाषा पारम्परिक ज्ञान, प्राचीन सभ्यता और आधुनिक प्रगति का हमें बोध करवाती है। कार्यक्रम में मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ राजेश गेरा ने सभी का स्वागत किया। मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. रमेश कुमार ने धन्यवाद प्रस्ताव पारित किया जबकि मंच का संचालन छात्रा निकिता ने किया। इस अवसर पर कुलसचिव सहित विभिन्न महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, अधिकारी, शिक्षकगण, कर्मचारी और विद्यार्थी उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	15-10-25	4	7-8

हकृवि में हिन्दी दिवस कार्यक्रम आयोजित

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज कार्यक्रम को संबोधित करते हुए।

हिसार, 14 अक्तूबर (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में हिंदी दिवस पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित हुए जबकि हरियाणा साहित्य एवं संस्कृति अकादमी पंचकूला के कार्यकारी उपाध्यक्ष डॉ कुलदीप चंद अग्निहोत्री मुख्य वक्ता के तौर पर मौजूद रहे।

कुलपति प्रो काम्बोज ने अपने सम्बोधन में कहा कि हिंदी केवल एक भाषा नहीं, बल्कि हमारी राष्ट्रीय पहचान है। यह हमारे विचारों, भावनाओं और संस्कृति की अभिव्यक्ति का सबसे सशक्त माध्यम है। मुख्य वक्ता डॉ कुलदीप चंद अग्निहोत्री ने कहा कि हिन्दी का प्रचार एवं प्रसार करना बहुत जरूरी है। कार्यक्रम में मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. राजेश गेरा ने सभी का स्वागत किया। मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. रमेश कुमार ने धन्यवाद प्रस्ताव पारित किया जबकि मंच का संचालन छात्रा निकिता ने किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	15.10.25	2	7-8

'हिंदी केवल भाषा नहीं, हमारी राष्ट्रीय पहचान'

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में हिंदी दिवस पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर कांबोज बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित हुए। हरियाणा साहित्य व संस्कृति अकादमी पंचकूला के कार्यकारी उपाध्यक्ष डॉ. कुलदीप चंद अग्निहोत्री मुख्य वक्ता के तौर पर मौजूद रहे। कुलपति ने कहा कि हिंदी केवल एक भाषा नहीं, बल्कि हमारी राष्ट्रीय पहचान है। यह हमारे विचारों, भावनाओं और संस्कृति की अभिव्यक्ति का सबसे सशक्त माध्यम है। मुख्य वक्ता डॉ. कुलदीप चंद अग्निहोत्री ने कहा कि हिन्दी का प्रचार व प्रसार करना बहुत जरूरी है। उन्होंने कहा कि हिंदी भाषा पारंपरिक ज्ञान, प्राचीन सभ्यता और आधुनिक प्रगति का हमें बोध करवाती है.कार्यक्रम में मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. राजेश गेरा ने सभी का स्वागत किया। मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. रमेश कुमार ने धन्यवाद प्रस्ताव पारित किया। संवाद

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक ट्रिब्यून	15.10.2025		

हकृवि में हिंदी दिवस कार्यक्रम आयोजित

हिंदी केवल एक भाषा नहीं, राष्ट्रीय पहचान है : काम्बोज

हिसार, 14 अक्तूबर (हप्र)

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में हिंदी दिवस पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित हुए जबकि हरियाणा साहित्य एवं संस्कृति अकादमी पंचकूला के कार्यकारी उपाध्यक्ष डॉ. कुलदीप चंद अग्निहोत्री मुख्य वक्ता के तौर पर मौजूद रहे। कुलपति प्रो काम्बोज ने कहा कि हिंदी केवल एक भाषा नहीं, बल्कि हमारी राष्ट्रीय पहचान है।

यह हमारे विचारों, भावनाओं और संस्कृति की अभिव्यक्ति का सबसे सशक्त माध्यम है। हिंदी देश के कोने-कोने में समझी और बोली जाती है। यह हमें एकता और भाईचारे का संदेश देती है। उन्होंने कहा कि आज विश्व के अनेक देशों में हिंदी बोलने और सीखने वालों की संख्या लगातार बढ़ रही है। इंटरनेट, फिल्म, साहित्य और शिक्षा के क्षेत्र में भी हिंदी का प्रभाव लगातार बढ़ता जा रहा है।

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए। -हप्र

कुलपति ने बताया कि 14 सितंबर, 1949 को संविधान सभा ने हिंदी भाषा को भारत की राजभाषा के रूप में स्वीकार किया था। इस ऐतिहासिक निर्णय की स्मृति में पहली बार 1953 में हिंदी दिवस मनाया गया। हिंदी दिवस मनाने का मुख्य उद्देश्य लोगों में हिंदी के प्रति सम्मान और जागरूकता बढ़ाना है। मुख्य वक्ता कुलदीप चंद अग्निहोत्री ने कहा कि हिंदी का प्रचार एवं प्रसार करना बहुत जरूरी है। आधुनिक युग में अगर हम सभी को जरूरत है तो व्याकरणिक दृष्टि से अपनी भाषा को सही तरीके से लिखने व बोलने की। इसलिए हमें आम बोलचाल में क्षेत्रीय भाषा को अधिक से अधिक प्रयोग में लाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि हिंदी भाषा पारम्परिक ज्ञान, प्राचीन सभ्यता और आधुनिक प्रगति का हमें बोध करवाती है।

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स न्यूज	14.10.2025		

हिंदी केवल एक भाषा नहीं, बल्कि हमारी राष्ट्रीय पहचानः प्रो. काम्बोज

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में हिंदी दिवस पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित हुए जबकि हरियाणा साहित्य एवं संस्कृति अकादमी पंचकूला के कार्यकारी उपाध्यक्ष डॉ कुलदीप चंद अग्निहोत्री मुख्य वक्ता के तौर पर मौजूद रहे। प्रो काम्बोज ने कहा कि हिंदी केवल एक भाषा नहीं, बल्कि हमारी राष्ट्रीय पहचान है। यह हमारे विचारों, भावनाओं और संस्कृति की अभिव्यक्ति का सबसे सशक्त माध्यम है। हिंदी देश के कोने-कोने में समझी और बोली जाती है। यह हमें एकता और भाईचारे का संदेश देती है। हिंदी हमारी आत्मा की भाषा है हमें अपनी दैनिक जीवन में हिंदी का अधिक से अधिक प्रयोग करना चाहिए ताकि आने वाली पीढ़ियां भी इसे अपने और इसका गौरव बनाए रखें। उन्होंने कहा कि आज विश्व के अनेक देशों में हिंदी बोलने और सीखने वालों की संख्या लगातार बढ़ रही है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	15-10-25	5	1

न्यूज़ ब्रीफ

आंखों की नियमित जांच जरूरी: प्रो. काम्बोज

हिसार | हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कैंपस अस्पताल में मान आंखों के अस्पताल द्वारा फ्री आंखों का चैकअप कैंप लगाया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज इस कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित हुए। उन्होंने कैंप का रिबन काटकर शुभारंभ किया। मान अस्पताल के डॉ. जीएस मान व डॉ. गरिमा मान भी उपस्थित रहीं। कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने कहा कि आंखों की समय पर जांच होने से आंखों की बीमारियों का पता चल जाता है, और उनका इलाज संभव हो जाता है। फ्री आंखों का कैंप केवल एक चिकित्सा पहल नहीं बल्कि सामाजिक उत्तरदायित्व और मानवीय करुणा का प्रतीक है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि. भूमि	15-10.20	7	1-2

आदमपुर। भारत विकास परिषद द्वारा लगाए गए शिविर में आंखों की जांच करते हुए चिकित्सक। फोटो : हरिभूमि

अस्पताल में फ्री आंखों का कैंप आयोजित

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कैंपस अस्पताल में मान आंखों के अस्पताल द्वारा फ्री आंखों का चैकअप कैंप लगाया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो बीआर काम्बोज इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि रहे। उन्होंने कैंप का रिबन काटकर शुभारंभ किया। इस अवसर पर मान अस्पताल के डॉ. जीएस मान व डॉ. गरिमा मान भी उपस्थित रहीं। शिविर में अनेक लोगों ने अपनी आंखों की जांच करवाई।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	15.10.25	5	1-2

नेत्र जांच कैंप में आंखों की जांच करवाते कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज।

आंखों की नियमित जांच ज़रूरी : प्रो. बी.आर. काम्बोज

हिसार, 14 अक्तूबर (विरेन्द्र वर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कैंपस अस्पताल में मान आंखों के अस्पताल द्वारा फ्री आंखों का चैकअप कैंप लगाया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो बीआर काम्बोज इस कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित हुए। उन्होंने कैंप का रिबन काटकर शुभारंभ किया। इस अवसर पर मान अस्पताल के डॉ. जीएस मान व डॉ. गरिमा मान भी उपस्थित रहीं। कुलपति प्रो. काम्बोज ने अपने संबोधन में कहा कि आंखों की समय पर जांच होने से आंखों की बीमारियों का पता चल जाता है, और उनका इलाज संभव हो जाता है। ऐसे शिविर लोगों में आंखों की देखभाल के प्रति जागरूकता बढ़ाते हैं। फ्री आंखों का कैंप केवल एक चिकित्सा पहल नहीं बल्कि सामाजिक उत्तरदायित्व और मानवीय करुणा का प्रतीक है। ऐसे शिविरों से समाज के कमजोर वर्गों को नई रोशनी और जीवन में आत्मविश्वास मिलता है। उन्होंने बताया कि इन कैंपों का उद्देश्य केवल इलाज करना ही नहीं बल्कि लोगों में जागरूकता फैलाना भी है ताकि वे अपनी आंखों की नियमित जांच करवाएं, स्वच्छता का ध्यान रखें और आंखों से जुड़ी किसी भी समस्या को नजरअंदाज न करें। कुलपति ने कहा कि इन शिविरों के माध्यम से समाज में सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है का संदेश भी फैलता है। उन्होंने कहा कि जब डॉक्टर, स्वयंसेवक और सामाजिक संस्थाएं मिलकर ऐसे कार्य करती हैं तो यह मानवता की सच्ची सेवा का उदाहरण बन जाता है। शिविर में अनेक लोगों ने अपनी आंखों की जांच करवाई। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के विभिन्न महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, विभागाध्यक्ष, अधिकारी, शिक्षक, गैर शिक्षक कर्मचारी उपस्थित रहे।